सैनिक स्कूल गोपालगंज

गृहकार्य

साखियाँ एवं सबद (काव्य)

विषय-हिंदी -कोर्स 'अ'

1. निम्नलिखित प्रश्नों का सही उत्तर विकल्पों से चुनकर लिखिए :-

i) मुक्त फल का अर्थ है ?

क) सीपी ख) मोती ग) दोनों घ) दोनों नहीं

ii) कबीर भक्त को किस पर स्वर होने को कहते है ?

क) घोड़े पर ख) ऊँट पर ग) गधे को घ) हाथी पर

iii) कबीर ने किसे स्वान अर्थात कुत्ते के सामान बताया है ?

क) लोगों को ख) संसार को ग) दोनों को घ) सभी सही

iv) पक्षापक्षी का अर्थ है ?

क) पंख और पर ख) पक्ष-विपक्ष ग) दोनों घ) कोई नहीं

v) सुजान का शाब्दिक अर्थ है ?

क) साधु ख) चतुर या ज्ञानी ग) बेवकूफ घ) पुजारियों

vi) कबीर के अनुसार काबा कब कशी हो जाता है ?

क) भेद-भाव बढ़ने पर ख) आडंबर बढ़ने पर

ग) भेद-भाव की भावना से उपर उठने पर घ) सभी सही

vii) कबीर ने किसे श्रेष्ठ माना है ?

क) अच्छे कपडे पहननेवाले को ख) अच्छे कर्म करनेवाले को

ग) झगड़ा-लड़ाई करने वाले को घ) सभी सही

viii) काव्यांश में 'मोको' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

क) मेरे लिए ख) सबके लिए ग) ईश्वर के लिए घ) तुम्हारे लिए

ix) कबीर एक सच्चे सुधारक थे, कैसे ?

क) राजनितिक ख) आर्थिक ग) सामाज घ) इनमे से कोई नहीं

x) कबीर के अनुसार किसका महत्व है ?

क) भाग्य का ख) कर्म का ग) रुपए का घ) धर्म का

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :-

i) 'स्वान' रूप कौन है ? उनके साथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए।

ii) कबीर ने ईश्वर भक्ति के विषय में किन धारणाओं का खंडन किया है तथा किस बात पर बल दिया है ?

iii) 'सच्चे प्रेमी' की विशेषता बताइए।

iv) 'झख मारि' कहकर कबीर क्या कहना चाहते हैं ?

v) 'गुरु कृपा' से मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए :-

i) किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या उसके कर्मों से ? तर्क सहित उत्तर लिखिए।

ii) कबीर ने ईश्वर को सब स्वांसों की स्वांस में क्यों कहा है ?

iii) कबीर के धार्मिक एवं साम्प्रदायिक सद्भाव संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए ।

iv) कबीर का समाज सुधारक रूप के विषय में लिखिए।

v) मनुष्य ईश्वर को कहाँ-कहाँ ढूंढता फिरता है ?

4.निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए :-

मोको कहाँ ढूंढे बन्दे, मैं तो तेरे पास में,
ना मैं देवल न मैं मस्जिद, न काबे कैलाश में।
ना तो कौनो क्रिया करम, नहीं योग बैराग में,
खोजी होए तो तुरते मिलिहौं, पल भर की तलाशा में।
कहे कबीर सुनौ भई साधों सब स्वांसो की स्वांस में ॥

i) लोग प्राय: ईश्वर को कहाँ-कहाँ ढूंढते है ?

ii) ईश्वर भक्ति के बारे में कवि ने किन-किन धारणाओं का खंडन किया है ?

iii) 'खोजी होए तो तुरते मिलिहौं।'- से कवि का क्या आशय है ?

5. संकलित सखियों एवं सबद के आधार पर कबीर के धार्मिक और साम्प्रदायिक सद्भाव सम्बन्धी
विचारों पर प्रकाश डालिए।

6. व्याकरण :-

i) तत्सम एवं तद्भव शब्दों की परिभाषा सोदाहरण लिखिए।

ii) तत्सम एवं तद्भव शब्दों में अंतर सपष्ट कीजिए।

(समाप्त)